भूरुहमालिका विश्लेषनप्रक्रिया

कर्मकप्रक्रिया

ASHA ARCHIVE
1366

ヒヒ

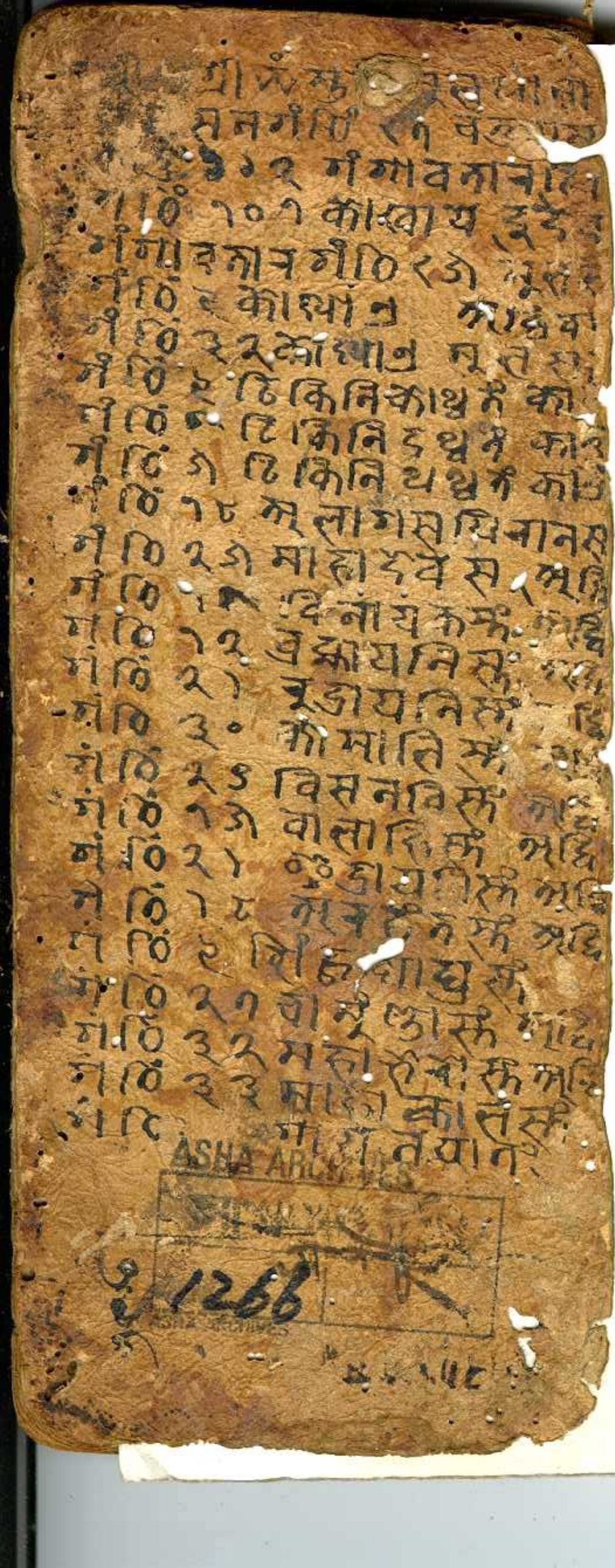

ॐ ह्रीं क्षीं यक्षाय यक्षेश्वराय यक्षाधिपतये धनदाय धनेश्वराय कुबेराय नमः स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं सः यक्षेश्वराय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्रीं यक्षेश्वराय स्वाहा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं

लायेनमः ॥ ॐ मं कलायेनमः ॥ ॐ तेजसे यजा ॥ पद्मद्वयपत्रलयं ॥ ॐ ॥ ॥
किंजल्कद्विमधितं पूर्वं मन्त्रं पत्रनिर्मितं तदन्तर्मन्त्रकायं वै पूजयेत्तत्र
राजतं ॥ तयोरन्तश्च नानावर्णमुद्धतं पूर्ववज्जपकर्णिकं ॥ ॥ यजा ॥ सो
मोदितं ॐ हं सामलकायं धीं कलात्मने धीं बुद्धि काश्रीं यजा
मृतं श्रीं द्वीं यनमः ॥ ॥ मृतकलायनमः ॥ मानदाकलायनमः ॥ पुष्पाक
लायनमः ॥ पुं पूंकलायनमः ॥ पूंकलायेनमः ॥ लंयेकलायेनमः ॥ रंवेक
लायेनमः ॥ रुं रूंकलायेनमः ॥ वेलिकाकलायेनमः ॥ कांकुंकलायेनमः ॥
लायेनमः ॥ गंगिनेकलायेनमः ॥ वेलिकाकलायेनमः ॥ कांकुंकलायेनमः ॥
यमुनाकलायेनमः ॥ गंगायेकलायेनमः ॥ त्रिवेणीकलायेनमः ॥ मूंगदाकलायेनमः ॥ य
मुंकलायेनमः ॥ पूंकलायेनमः ॥ ॥ गूंगगनलोकायनमः ॥ मूंसू
र्यलोकायनमः ॥ पूंपाताललोकायनमः ॥ मूंमर्त्यलोकायनमः ॥ नूंनागलोक

नमः ॥ ॥ ह्रां ह्रीं सानन्दशक्तिनाथकर्णेयाभिनमः ॥ नंजं हूं भूंभूंभवी
नमयेयाभिनमः ॥ वं षडंगपूजा ॥ वंमुद्रा ॥ पद्ममुद्रा ॥ धें योनिमुद्रा ॥
आत्मने ॥ ॥ मूं कनकाकृष्णावर्णे मूंमूर्तातत्वेदक्षिणे नवस्तुवि
न्यस्तवृषिलीं वं हृदयकलात्मने तेवास्यवस्तुवि लीं ईं वा ला
मृतावोर्ध्वे अविलं कृलवंकुं ॥ ॥ पाद्यजनसर्वेसाधयनः ॥ ॐ तियाद
पूजा ॥ ॐ कलंक पूजा ॥ सुनुमस्कार ॥ यन्मान्त्रयाहकों ॥ कुर्मास्मा
यणाहवा ॥ ॐ हिरण्मस्तुय रुद्र ॥ ॐ मार्तंगेश्वरनाथकनिष्टायनमः ॥ ॐ मार्तंग
श्वराय अनामिकायनमः ॥ ॐ मार्तंगेश्वरनाथमध्यमायनमः ॥ ॐ मार्तं
गेश्वराय तर्जन्यायनमः ॥ ॐ मार्तंगेश्वराय अंगुष्ठायनमः ॥ ॐ हिं
रण्यरुद्र ॥ नवनवकुलयादेवीनाम ॥ जलयात्रकलशेयात्र ॥ मूं

ॐ नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्वसाहूणं एसो पंच नमुक्कारो सव्वपावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ २५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ २७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ २८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ३२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ३४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ३६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ३८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ३९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ४१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ४३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ४५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ४७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ४८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ४९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ५० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ५२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ५४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ५६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ५८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ६१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ६३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ६५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ६७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ६८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ६९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ७० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ७२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ७४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ७६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ७८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ७९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ८१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ८३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ८५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ८७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ८८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ८९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ९० ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९१ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ९२ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९३ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ९४ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९५ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ९६ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९७ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ ९८ ॥

ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ऐं अ सि आ उ सा नमः स्वाहा ॥ ९९ ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीरवद्धमाणसामिस्स सिज्झउ मे भगवई महाविज्जा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्वाहा ॥ १०० ॥

ॐ नमः कालिकायै॥ ॐ पशुपासाय विद्महे शिवप्रियायै धीमहि तन्नो कुमार्यै प्रचोदयात्॥
ॐ कालिकाये हिरीं दक्षिणकालिके स्वाहा॥ कपालसाधिये॥ भा ३॥ स्वप्नीवाक॥ ॥ हंसकंकालाय विद्महे
कंकालिन्यै धीमहि तन्नो कंकाल प्रचोदयात्॥ ॥ सर्वतंत्रायाधिमहे तन्नो रुद्र प्रचोदयात्॥ ७॥

मूलललाट॥ मूं मुखदक्षे॥ हृदक्षिणनेत्र॥ श्रीं वामनेत्र॥ ईं नासिकादक्षे॥ ऊं वामनासापुट॥ ऋं दक्षिणकर्ण॥ ॠं वामकर्णे॥ ऌं दक्षिणगंडे॥ ॡं वामगंडे॥ एं ऊर्ध्वदशनपंक्ति॥ ऐं अधोदशनपंक्ति॥ ओं ऊर्ध्वोष्ठे॥ औं अधोष्ठे॥ अं तालुमध्ये॥ अः ब्रह्मरंध्रे॥ ॥ कं दक्षिणभुजे॥ खं दक्षिणकूर्परे॥ गं दक्षिणमणिबंधे॥ घं दक्षिणकरतले॥ ङं वामभुजे॥ चं वामकूर्परे॥ छं वामबाहुमूले॥ जं दक्षिणपार्श्वे॥ झं दक्षिणस्तने॥ ञं दक्षिणकुक्षौ॥ टं वामपार्श्वे॥ ठं वामस्तने॥ डं वामकुक्षौ॥ ढं दक्षिणपादमूले॥ णं दक्षिणगुल्फे॥ तं दक्षिणपादांगुष्ठे॥ थं दक्षिणपादांगुल्यग्रे॥ दं वामपादमूले॥ धं वामगुल्फे॥ नं वामपादांगुष्ठे॥ पं वामपादांगुल्यग्रे॥ फं दक्षिणपार्श्वे॥ बं वामपार्श्वे॥ भं पृष्ठे॥ मं नाभौ॥ यं हृदये॥ रं कंठे॥ लं मुखे॥ वं शिरसि॥ शं सर्वसंधिषु॥ षं सर्वनाडीषु॥ सं सर्वधातुषु॥ हं सर्वप्राणेषु॥ लं जीवे॥ क्षं आत्मनि॥ इति मातृकान्यासः॥ ॥

ॐ श्रीविष्णुमायावै